भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3017
दिनांक 06 अगस्त, 2026

तमिलनाडु में रसोई गैस का वितरण

†3017. **श्री अ. मनिः**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सभी परिवारों को घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की समय पर और सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए तमिलनाडु में और विशेषकर धर्मापुरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में एलपीजी वितरण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) धर्मापुरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में एलपीजी वितरकों, वितरण स्थलों का ब्यौरा क्या है और एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या कितनी है तथा विगत तीन वर्षों के दौरान वितरण अवसंरचना के विस्तार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार की अंतिम छोर तक सेवा वितरण में सुधार के लिए धर्मापुरी के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अतिरिक्त एलपीजी वितरण अधिकार देने या डिलीवरी संभार-तंत्र को सुदृढ़ करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) धर्मापुरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित पूरे तमिलनाडु में उपभोक्ता सुरक्षा, डिजिटल बुकिंग, घर पर आपूर्ति और समय पर रिफिल आपूर्ति को बढ़ावा देने तथा एलपीजी पहुंच और सेवा गुणवत्ता में और अधिक सुधार करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ): सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज़) द्वारा एलपीजी वितरकों की नियुक्ति एक सतत प्रक्रिया है और एलपीजी वितरकों की स्थापना के लिए स्थलों की पहचान की जाती है और एकीकृत चयन दिशानिर्देश 2016 के तहत विज्ञापित किया जाता है।

दिनांक 01.07.2026 तक, देश भर में पीएसयू ओएमसीज़ के कुल 25,611 एलपीजी वितरक नेटवर्क हैं, जिनमें तमिलनाडु राज्य में 1658 नेटवर्क शामिल हैं। इनमें से 17,685 वितरण नेटवर्क ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। ये सेवाएं देश भर में स्थित तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज़) के 214 एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों के माध्यम से दी जाती हैं। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में एलपीजी की पहुंच में सुधार लाने के उद्देश्य से, पीएसयू ओएमसीज़ ने 01.04.2016 से 30.06.2026 के बीच देश भर में 8045 वितरण नेटवर्क शुरू किए हैं, जिनमें से 7452 (अर्थात 93%) ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। दुर्गम क्षेत्रीय वितरकों को छोड़कर, सभी वितरकों को अपने कार्यक्षेत्र में एलपीजी सिलेंडरों की होम डिलीवरी करना अनिवार्य है।

धर्मपुरी संसदीय क्षेत्र में धर्मपुरी और सलेम जिले शामिल हैं और यहाँ सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज़) के कुल 110 एलपीजी वितरक सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें से पिछले 3 वित्तीय वर्षों में 2 एलपीजी वितरकों को चालू किया गया है। दिनांक 01.07.2026 तक, इन दोनों जिलों में लगभग 15.80 लाख घरेलू एलपीजी उपभोक्ता थे।

दूरदराज और कम सुविधा प्राप्त बस्तियों में अंतिम छोर तक एलपीजी की आपूर्ति को और बेहतर बनाने के लिए, तेल और गैस कंपनियों ने कई उपाय किए हैं, जिनमें ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में वितरकों की स्थापना, सामान्य सेवा केंद्र ग्राम स्तरीय उद्यमी (सीएससी वीएलई) की नियुक्ति आदि शामिल हैं। एलपीजी की अंतिम छोर तक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, तेल और गैस कंपनियों ने उपर्युक्त 2 जिलों में 162 सीएससी वीएलई नियुक्त किए हैं।

एलपीजी रिफिल की बुकिंग को आसान और परेशानी मुक्त बनाने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभता सुनिश्चित की गई है। एलपीजी रिफिल की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, सभी घरेलू एलपीजी उपभोक्ता इंटरेक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस), शॉर्ट मैसेज सर्विस (एसएमएस), व्हाट्सएप, वितरक के फोन पर सीधे कॉल, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, ओएमसी मोबाइल एप्लिकेशन, ओएमसी वेब-पोर्टल आदि सहित विभिन्न तरीकों से रिफिल बुक कर सकते हैं। ये विभिन्न विकल्प बेहतर सुविधा प्रदान करते हैं।

दिनांक 01.08.2026 तक तमिलनाडु में रिफिल डिलीवरी का औसत समय 1.6 दिन है।

एलपीजी उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए, वर्ष 2024-2025 के दौरान देश भर में "खुशियां अब तीन गुना" विषयवस्तु के तहत एक बुनियादी सुरक्षा अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के घर-घर तक पहुंचना था। इस अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को एलपीजी के सुरक्षित उपयोग के बारे में शिक्षित करना था, साथ ही प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाना, ग्राहकों के परिसर में जाकर सुरक्षा जांच करना और सुरक्षा पाइपों को बदलना भी शामिल था। इस अभियान ने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की, जिसके तहत ग्राहकों के परिसर में 12.12 करोड़ से अधिक मुफ्त बुनियादी सुरक्षा जांच की गई, जिनमें से 82.42 लाख जांच तमिलनाडु राज्य में की गईं। इसके अलावा, 4.65 करोड़ से अधिक एलपीजी पाइप रियायती दरों पर बदले गए, जिनमें से 41 लाख पाइप तमिलनाडु राज्य में ही बदले गए।

तमिलनाडु के धर्मपुरी और सलेम जिलों में बुनियादी सुरक्षा जांच और होज़ बदलने के बारे में विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है:-

राज्य	जिले का नाम	किए गए बुनियादी सुरक्षा जांचों की संख्या	सुरक्षा नली बदली गई
तमिलनाडु	धर्मपुरी	1,56,441	1,33,244
तमिलनाडु	सलेम	4,14,248	2,60,245

स्रोत: पीएसयू ओएमसीज़ की ओर से आईओसीएल

*****